अनुप जलोटा-तेरे मन मे राम
बोलो राम, बोलो राम, बोलो राम राम राम

माया मैं तू उल्जा उल्जा डर डर आये
अब क्यू करता मन भरी जब माया साथ छुडाये (२)

दनि तो बिता दौड़ धुप मैं, ढल जाए ना शाम रे,
बोलो राम, बोलो राम, बोलो राम राम राम (२)

तन के भीतर पांच लुटेरे डाल रहे है डेरा
तन के भीतर पांच लुटेरे डाल रहे है डेरा
काम, क्रोध,मद,लोभ, मोह, ने तुझको कैसे घेरा,
भूल गया तू राम रतन, भुला पूजा काम रे

बचपन बिता खेल खेल मैं, भरी जवानी सोया,(२)
देख भुडापा अब तो सोचे क्या पाया क्या खोया,
देर नही है अब भी बन्दे ले ले उसका नाम रे